SHARDA UNIVERSITY
AGRA

जानिए

महाकुम्भ

विरासत को पुनर्जीवित करना,
पीढ़ियों को सशक्त बनाना

शारदा यूनिवर्सिटी आगरा

शारदा यूनिवर्सिटी आगरा, भारत की अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक तथा आगरा का उत्तम संस्थान है, जिसे शोध और शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है। अपनी उत्कृष्ट फैकल्टी, विश्व स्तरीय शिक्षण मानकों और नवाचारी शैक्षिक कार्यक्रमों के साथ, यह भारतीय शिक्षा प्रणाली में नई ऊंचाइयों को छू रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार से स्वीकृत, शारदा यूनिवर्सिटी आगरा-मथुरा क्षेत्र का एकमात्र बहु-शैक्षणिक परिसर है। यह 50+ एकड़ में फैला है और विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है।

शारदा समूह की पहल के रूप में यह विश्वविद्यालय, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और समग्र शिक्षा के माध्यम से छात्रों में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताओं का विकास करने के लिए जाना जाता है।

शारदा यूनिवर्सिटी आगरा, की अनूठी पहल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के तहत, शारदा यूनिवर्सिटी आगरा, ने महाकुंभ से प्रेरित निम्नलिखित कार्यक्रमों की पहल की है:

- **कुंभ स्थलों की यात्रा :**

छात्रों, शिक्षकों को पवित्र स्थलों पर ले जाकर मेले की भव्यता का अनुभव कराना।

- **सांस्कृतिक गतिविधियाँ :**

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित करना।

- **कार्यशालाएं और संगोष्ठियां :**

ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विशेषज्ञों से महाकुंभ की परंपराओं को जानने का अवसर प्रदान करना।

- **शोध के माध्यम से जागरूकता :**

महाकुंभ के दौरान पारिस्थितिकी और जल की दिव्यता के प्रभाव का वैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन करना।

महाकुंभ के वैभव को जाने

दुनिया के सबसे विस्मयकारी आयोजनों में से एक-महाकुंभ मेले में आपका स्वागत है। लाखों लोगों द्वारा पोषित एक पवित्र सभा, यह आस्था, संस्कृति और मानवता का एक शाश्वत संगम है, जो भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की गहराई को प्रदर्शित करता है

महाकुंभ की विशेषताएं

1.पवित्र स्नान (स्नान):

शुभ समय पर पवित्र नदी में स्नान करने से आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति होती है।

2.अखाड़े और साधु-संतों की उपस्थिति:

नागा साधु, अघोरी और अन्य मनीषियों के प्रवचन और अनूठी विधियां।

3.धार्मिक और सांस्कृतिक जुलूस:

भव्य झांकियां, झंडे, रथ और भक्ति संगीत उत्सव की शोभा बढ़ाते हैं।

4.आध्यात्मिक और वैज्ञानिक जागरूकता:

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम।

महाकुंभ मेला का महत्व

महाकुंभ मेला हर 12 वर्षों में एक बार भारत के चार पवित्र स्थलों पर आयोजित किया जाता है:

- प्रयागराज (गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती का संगम)
- हरिद्वार (पवित्र गंगा नदी के किनारे)
- उज्जैन (क्षिप्रा नदी के तट पर)
- नासिक (गोदावरी नदी के किनारे)

महाकुंभ, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान अमृत की कुछ बूंदें इन स्थलों पर गिरीं, जिससे ये स्थान पवित्र हो गए। इस आयोजन का उद्देश्य आत्मशुद्धि और मोक्ष प्राप्त करना है।

13
जनवरी 2025
पौष पूर्णिमा

14
जनवरी 2025
मकर संक्रांति, शाहीस्नान

29
जनवरी 2025
मोनी अमावस्या,शाहीस्नान

3
फरवरी 2025
बसंत पंचमी

12
फरवरी 2025
माघी पूर्णिमा

26
फरवरी 2025
महाशिवरात्रि

आइए,

महाकुंभ के माध्यम से

भारत

की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक
गहराई को जानें।

संपर्क करें:
शारदा यूनिवर्सिटी, आगरा

18 किमी, भगवान टॉकीज से मथुरा की ओर, आगरा-दिल्ली हाईवे (NH-19), कीठम, आगरा - 282007